खिलवाड़ खुलेआम ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा ग्रामीणों की जान से खिलवाड़, जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में, अमरपुर विकासखंड क्षेत्र का मामला

न डिग्री, न प्रमाण पत्र और न ही कोई वैध दस्तावेज, चालू है 14 वर्षों से प्रैक्टिस

अमरपुर नवभारत 25 मार्च। अमरपुर विकासखंड के सक्का कस्बा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर अवैध दवाखाना संचालित कर ग्रामीणों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। सक्का में इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा इस कार्य को बिना रोकटोक अनेक वर्षों से किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग सूत्रों की माने तो यहां अभी तक अनेक ग्रामीण मरीजों का झोलाछाप द्वारा किए गए गलत इलाज के चलते गंभीर बीमारियों का सामना कर अपनी जान और माल दोनों से हाथ धोना पड़ा हैं, लेकिन गंभीर मामले पर अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिसके परिणाम स्वरूप आज भी अप्रशिक्षित बंगाली झोलाछाप डॉक्टर अपना अवैध दवाखाना चालू रखे हुए हैं।

बीएमओ की चुप्पी सवालों के घेरे में

विभागीय सूत्रों की माने तो ब्लॉक स्तर पर, खंड चिकित्सा अधिकारी बीएमओ (बीएमओ) अवैध क्लीनिकों की निगरानी और कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होते हैं। ये अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि कहलाते हैं, जो अवैध चिकित्सा प्रैक्टिस को रोकने के लिए काम करते हैं। सूत्रों की माने तो जिम्मेदारों के पास अवैध क्लिनिकों के खिलाफ कार्रवाई करने की शक्ति होती है, जिसमें क्लिनिक को सील करना, जुर्माना लगाना और कानूनी कार्रवाई करना भी शामिल है।

ग्रामीण मरीज के परिजनों को अपने झांसे में लेते हैं

ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सक्का कस्बा क्षेत्र में लगभग 6 अप्रशिक्षित झोलाछाप डॉक्टर प्रैक्टिस कर रहे हैं। उनके द्वारा सर्दी, खांसी0 बुखार, सिर दर्द, पेट दर्द सहित गंभीर बीमारियों का इलाज भी किया जाता है। यह झोलाछाप डॉक्टर बीमारी से पीड़ित ग्रामीण मरीज के परिजनों को अपने झांसे में लेकर इलाज करने के लिए मरीज के परिजनों से ठेका कर उसका इलाज करते हैं।

हैवी डोज की ऐलोपैथिक दवा देते हैं

इस दौरान मरिज को झोलाछाप बंगाली द्वारा एलोपैथिक दवाओं का हैवी डोज देने के साथ ही हैवी एमजी की दवाइयां दी जाती है, वहीं झोलाछाप द्वारा दी गई दवा के शुरुआत में परिणाम सार्थक मरीज और उसके परिजनों को नजर आते हैं, लेकिन धीरे-धीरे इन दवाओं के गंभीर परिणाम नजर आने लगते हैं। इनका बेहतर विकल्प बंगाली झोलाछाप अप्रशिक्षित व्यक्ति के पास नहीं होता। गंभीर हालत में पीड़ित मरीज के परिजन या तो बीमार व्यक्ति को स्वास्थ्य केंद्र या फिर जिला अस्पताल इलाज के लिए लेकर पहुंचते हैं।

लीगल दस्तावेज चेक नहीं किए गए

विभागीय सूत्रों द्वारा बताया गया कि विकासखंड स्तर पर अवैध प्रैक्टिस करने वाले अप्रशिक्षित बंगाली झोलाछाप डॉक्टर की जांच पड़ताल विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की जाती है, लेकिन सवाल यह उठता है आखिर क्यों इतने वर्षों में अप्रशिक्षित लोगों के लीगल दस्तावेज चेक नहीं किए गए। वर्षों से चल रहे इस खेल पर अंकुश लगाने के प्रयास क्यों नहीं किए गए।

कौन दे रहा इनको संरक्षण

आखिर अवैध रूप से क्षेत्र में संचालित होने वाले क्लीनिक के संचालक बंगाली झोलाछाप डॉक्टरों को कौन संरक्षण दे रहा है। आखिर कौन हैं जिसकी कृपा के चलते जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले इन झोलाछाप बंगालियों को विभागीय कार्यवाही से बचाया जा रहा है। यह झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीणों से इलाज के नाम पर उनकी मेहनत की कमाई को लूट कर स्वयं लाखों करोड़ों की चल अचल संपत्ति अपने व अपने परिजनों सहित करीबी रिश्तेदारों के नाम से बना रहे है।

पर्यटन के रूप में विकसित हो सकती है जामवंती गुफा

कलेक्टर ने गुफा का निरीक्षण कर प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की

शहपुरा नवभारत 25 मार्च। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने के उद्देश्य से मेंहदवानी विकासखंड के ग्राम पंचायत हथडोल मनेरी स्थित घोड़ामाडा जामवंती गुफा का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं एवं प्राकृतिक स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जनपद सीईओ मेंहदवानी को गुफा तक सुगम आवागमन हेतु रास्ता विकसित करने एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुफा के प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थल प्रकृति की गोद में स्थित होने के कारण अत्यंत आकर्षक एवं मनमोहक है, जिसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है।

151 कलशों के साथ जवारों की स्थापना की गई

कलेक्टर ने गुफा के अंदर जाकर भी निरीक्षण किया, जहां ग्रामीणों द्वारा 151 कलशों के साथ जवारों की स्थापना की गई थी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से चैत्र नवरात्रि के अवसर पर यहां नियमित रूप से जवारे रखे जाते हैं, जिससे यह स्थल धार्मिक आस्था का भी केंद्र बन गया है। ग्रामीणों ने यह भी जानकारी दी कि स्थानीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे द्वारा गुफा के विकास में सहयोग किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 100 से 200 श्रद्धालु इस प्राकृतिक स्थल पर पहुंचकर गुफा का आनंद लेते हैं।

गुफा से बह रहे पानी को संरक्षित करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने गुफा से बह रहे पानी को संरक्षित करने के निर्देश देते हुए कहा कि पानी को रोककर उसका उपयोग पशु-पक्षियों एवं अन्य जीव-जंतुओं के लिए किया जा सकता है। निरिक्षण के दौरान एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, सीईओ जनपद पंचायत मेंहदवानी प्रदीप ओझा, तहसीलदार मेंहदवानी, पंचायत इंस्पेक्टर सहायक परियोजना अधिकारी अशोक कुडापे, सबइंजीनियर, सहायक यंत्री आरईएस एच.एस. परस्ते सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिण्डौरी नगर परिषद की होर्डिंग नीति पर बवाल

टैक्स लेकर होर्डिंग कर दिया अवैध घोषित, व्यापारियों में आक्रोश

डिण्डौरी, नवभारत 25 मार्च। नगर परिषद डिण्डौरी एक बार फिर अपने निर्णयों को लेकर सवालों के घेरे में है। ताजा मामला होर्डिंग लगाने को लेकर सामने आया है, जहां एक ओर परिषद टैक्स वसूल रही है, वहीं दूसरी ओर उसी होर्डिंग को अवैध बताकर हटाने के आदेश जारी कर रही है। इस दोहरे रवैये से स्थानीय व्यापारियों में भारी नाराजगी है।

शहर के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान संदीप ऑफसेट प्रिंटर्स के संचालक सुनील दत्त तिवारी को नगर परिषद द्वारा जारी पत्र में उनकी होर्डिंग को अवैध बताते हुए हटाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि तिवारी का दावा है कि उन्होंने संबंधित शाखा से जानकारी लेकर विधिवत टैक्स जमा कर होर्डिंग लगाई है, ऐसे में इसे अवैध बताना पूरी तरह गलत और भ्रामक है।

नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल

श्री तिवारी ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सीधा सवाल दागते हुए कहा कि जब उन्हें होर्डिंग लगाने की अनुमति नहीं दी जानी थी, तो फिर उनसे टैक्स क्यों लिया गया? यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि व्यापारियों के साथ सीधा अन्याय भी है। उन्होंने यह भी बताया कि अन्य स्थानों के लिए उन्होंने आवेदन दिया, लेकिन आज तक उस पर कोई जवाब नहीं मिला।

नगर परिषद कर रही मनमानी

मामले को और गंभीर बनाते हुए श्री तिवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के अन्य नगर निकायों में जहां खुले तौर पर होर्डिंग लग रही हैं, वहीं डिण्डौरी नगर परिषद का रवैया पूरी तरह उलट नजर आता है। यहां नियम स्पष्ट नहीं हैं और निर्णय मनमाने तरीके से लिए जा रहे हैं, जिससे व्यापारियों का भरोसा टूट रहा है। स्थानीय व्यापारिक वर्ग में इस मुद्दे को लेकर गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि 'पहले टैक्स लेकर अनुमति का भ्रम पैदा किया जाता है, फिर अचानक अवैध बताकर कार्रवाई की जाती है, यह सीधा शोषण है।'

होर्डिंग को हटाने की कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग

श्री तिवारी ने नगर परिषद से मांग की है कि उनकी होर्डिंग को हटाने की कार्रवाई तत्काल रोकी जाए और स्पष्ट नीति बनाकर व्यापारियों को राहत दी जाए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नगर परिषद अपने इस विरोधाभासी रवैये पर सफाई देगी या फिर व्यापारियों का आक्रोश और बढ़ेगा। फिलहाल, यह मामला शहर में चर्चा का प्रमुख विषय बन चुका है।

सुदामा चरित्र सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

खेर माता मंदिर गपैया में श्रीमद्भ भागवत कथा जारी

शहपुरा नवभारत 25 मार्च। क्षेत्र के गपैया स्थित खेर माता मंदिर में इन दिनों श्रीमद्भ भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 19 से 27 मार्च तक चलने वाली इस धार्मिक कथा में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से कथा वाचन हो रहा है।

प्रसिद्ध कथावाचक पंडित सुरेश कुमार दुबे जी के मुखारविंद से सुदामा चरित्र का मार्मिक प्रसंग सुनाया गया, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की सच्ची मित्रता, त्याग और भक्ति का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा में बताया गया कि सच्ची श्रद्धा और निस्वार्थ भाव से की गई भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती। श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता समाज को प्रेम, समर्पण और विश्वास का संदेश देती है।

पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भी किया जा रहा-कथा का रसपान करने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। प्रत्येक दिन सुबह 8 बजे से पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजा एवं अभिषेक का कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे डोंढा के ग्रामीण

करोड़ों रुपए की नल जल योजना अधिकारियों के लापरवाही की भेंट चढ़ी

शहपुरा नवभारत 25 मार्च। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंढा में करीब 3000 लोग निवास करते हैं। इस ग्राम में शासन के द्वारा करोड़ों रुपए की नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण कर पूरे गांव में पाइप के माध्यम से पानी पहुंचाने का कार्य किया है। परंतु कार्य पूर्ण होने के सालों बीत जाने के बाद आज भी ग्रामीणों को पानी नहीं मिल रहा है उक्त योजना से सप्लाई सिर्फ एक दिन हुई है।

पीएचई विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के लापरवाही के कारण ग्रामीण आज भी बूंद बूंद पानी के लिए परेशान है। ग्रामीण झिरिया, कुआं , हैंड पंप का पानी पीने को मजबूर है वैसे भी इस गांव में सिर्फ दो ही हैंड पंप है जिसमें एक चालू अवस्था में है वह एक बंद पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है जब वाटर सप्लाई नहीं करनी थी तो करोड़ों रुपए खर्च करके पानी की टंकी शोपीस के लिए क्यों बनाई गई, वहीं इस मामले मे पीएचई विभाग के विभाग प्रमुख से बात करने का प्रयास किया गया तो उनसे बात नहीं हो पाई।

आंगनबाड़ी केंद्र में प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रवेश उत्सव समारोह आयोजित

शहपुरा नवभारत 25 मार्च। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना शाहपुरा अंतर्गत सेक्टर शहरी शहपुरा सहित समस्त ग्रामीण सेक्टरो विद्यारंभ कार्यक्रम अंतर्गत आंगनवाड़ी में पढ़ रहे बच्चों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए एवं प्रवेश उत्सव मनाया गया।

सेक्टर शहरी शहपुरा के आंगनबाड़ी केंद्र में ग्रेजुएशन सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया जिसमें मध्य प्रदेश शासन के द्वारा आंगनवाड़ी में अध्यनरत बच्चों को विद्यारंभ अर्थात आगामी कक्षा की पढ़ाई हेतु स्कूलों में प्रवेश के लिए आंगनबाड़ी से शाला पूर्व शिक्षा का प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया, जिससे वे स्कूलों में आगामी कक्षाओं के प्रवेश प्राप्त कर सकें कार्यक्रम में सभी बच्चों को तिलक लगाकर एवं पुष्प से स्वागत किया गया। नगर परिषद शाहपुरा के वार्ड क्रमांक 9 के समाजसेवी पार्षद सुरेंद्र साहू वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद देवेंद्र बनवासी वार्ड क्रमांक 2 की पार्षद मीरा बनवासी ने सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

अमरपुर में धूमधाम से मनाई गई निषादराज जयंती

समाज को अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का किया आह्वान

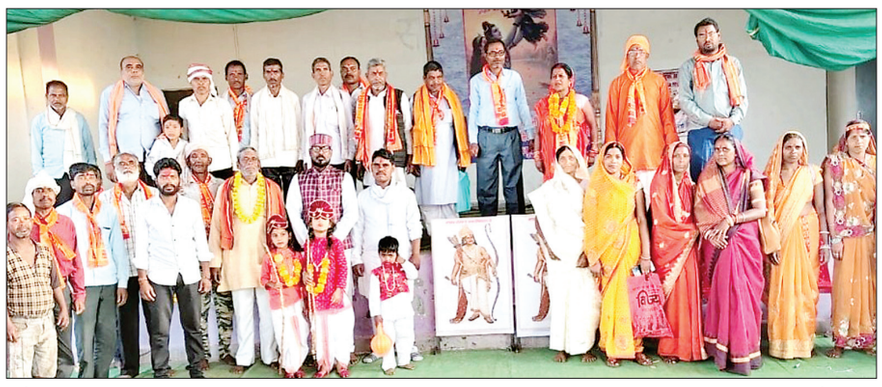

अमरपुर, नवभारत 25 मार्च। मध्यप्रदेश मांझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा अमरपुर तहसील में निषादराज जयंती का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन काली माता मंदिर सामुदायिक भवन में पार्वती बरमैया के नेतृत्व में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गुहराज निषाद राज की पूजा-अर्चना, तिलक, वंदन एवं पुष्पमाला अर्पित कर की गई। उपस्थित समाजजन ने आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रांतीय मीडिया प्रभारी ब्रजेश कुमार बर्मन ने हजारों सामाजिक बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि निषाद राज हमारे आराध्य हैं और हम उनके वंशज हैं। उन्होंने समाज से हर वर्ष जयंती को धूमधाम से मनाने, उनके आदर्शों और संस्कारों को अपनाने तथा संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

अनुसूचित जनजाति सूची में माझी जाति शामिल है : ब्रजेश

ब्रजेश बर्मन ने कहा कि प्रेसिडेंट ऑर्डर के अनुसार माझी समाज को आदिवासी माना गया है तथा मध्यप्रदेश की अनुसूचित जनजाति सूची में क्रमांक 29 पर माझी जाति शामिल है। समिति ने राज्य सरकार से मांग की कि पिछड़ा वर्ग सूची क्रमांक 12 से माझी की उपजातियों को विलोपित कर जल से जुड़े समुदायों को माझी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए जाएं।

समाज को एकजुट रहना होगा : पार्वती

समिति अध्यक्ष पार्वती बरमैया ने अपने संबोधन में समाज को एकजुट और जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। तथा हर सदस्य को अपने अधिकारों के लिए आगे आने का आह्वान किया। वहीं प्रतीक बर्मन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज की एकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत काली माता मंदिर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होते हुए पुलिस चौकी तक निषाद राज, श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की झांकी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

उमरिया में बोरवेल खुदाई पर लग सकती है रोक

लगातार गिर रहा भूजल स्तर, प्रशासन सख्ती की तैयारी में

चिल्हारी नवभारत 25 मार्च। जिले में लगातार गिरते भूजल स्तर ने अब प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हालात इतने गंभीर हो चले हैं कि उमरिया जिला प्रशासन जल्द ही नए बोरवेल की खुदाई पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का बड़ा फैसला ले सकता है। यह कदम जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सख्त पहल माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में अनियंत्रित बोरवेल खुदाई और वर्षा की कमी के कारण क्षेत्र का भूजल स्तर तेजी से नीचे गया है। ग्रामीण इलाकों में हैंडपंप सूखने लगे हैं और कई स्थानों पर पेयजल संकट की स्थिति बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में हालात और भयावह हो सकते हैं।प्रशासन की प्रस्तावित योजना के तहत नए बोरवेल की खुदाई पर तत्काल रोक लगाई जा सकती है। साथ ही, जो लोग इस प्रतिबंध का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और भारी जुर्माने का प्रावधान भी किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य स्पष्ट है भविष्य के लिए पानी बचाना और जल संसाधनों का संतुलन बनाए रखना।

किसानों और व्यापारियों में हलचल-इस संभावित निर्णय के चलते किसानों और व्यापारियों में हलचल देखी जा रही है हालांकि, पर्यावरणविदों का मानना है कि केवल प्रतिबंध ही समाधान नहीं है। इसके साथ-साथ वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता भी उतनी ही जरूरी है।

ओवरब्रिज का कार्य 11 वर्ष से अधूरा, राहगीर परेशान

जल्द काम पूरा नहीं होने पर युवा कांग्रेस ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

नवभारत उमरिया 25 मार्च। नेशनल हाईवे-43 पर उमरिया-शहडोल मार्ग स्थित पठारी, अमहा और मोर्चा फाटक पर बन रहे ओवरब्रिज पिछले करीब 11 वर्षों से अधूरे पड़े हैं। लंबे समय से निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इन स्थानों पर आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे आवागमन बाधित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। समस्या के चलते आम जनता में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द ओवरब्रिज निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की। यह ज्ञापन जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग सिंह अंबुज के नेतृत्व में और प्रदेश सचिव विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में सौंपा गया।

इनकी रही उपस्थिति

ज्ञापन सौंपने के दौरान हर्ष सिंह परिहार, अजय सिंह सोमवंशी, गुरदीन चौधरी, अम्बरीश तिवारी, अभय सिंह, श्रेयांश तिवारी, अंबर सिंह, दीप राय, मुकीम खान, विनय तिवारी, भारत नामदेव, मनीष साहू, दिलीप सिंह और शोएब खान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ओवरब्रिज निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया, तो जनहित में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का लिया जायजा

कलेक्टर ने उत्कृष्ट विद्यालय का किया निरीक्षण

डिंडौरी, नवभारत 25 मार्च। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने मंगलवार को उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचकर कक्षा 10वीं एवं 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों द्वारा की जा रही जांच प्रक्रिया का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मूल्यांकन कार्य में संलग्न शिक्षकों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए, जिससे विद्यार्थियों को निष्पक्ष परिणाम प्राप्त हो सकें। कलेक्टर ने प्राचार्य को निर्देशित किया कि मूल्यांकन केंद्र पर विद्युत व्यवस्था, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि शिक्षकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी, प्राचार्य सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कुएं की सफाई कर दिया जल संरक्षण का संदेश

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल शक्ति से नव-भक्ति कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी, नवभारत 25 मार्च। ग्राम चटुवा, विकासखंड डिंडोरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव-भक्ति कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक 1 में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पीपल वृक्ष के पूजन के साथ हुई, जिसके उपरांत ग्राम के पुराने कुएं की सामूहिक सफाई कर जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकासखंड समन्वयक गणेश सिंह राजपूत ने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। इस दौरान प्रकाश सिंह राजपूत ने अभियान की रूपरेखा एवं उसके सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में रघुनाथ सिंह चंदेल, अरुण कुमार चंदेल, अजय ठाकुर, मदन सिंह चंदेल, टीकाराम, कमल सिंह राठौर, मुकेश बनवासी, सुफल वनवासी, शिवकुमार चंदेल, एमएसडब्ल्यू छात्रा ज्योति चंदेल सहित नवांकुर संस्था 'जन जीवन कल्याण समिति बिछिया' एवं ग्राम पंचायत चटुवा के अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।